हमारी सरकार सेना के मरे हुए सैनिकों का सम्मान नहीं करती ...(**व्यवधान**)... आप जानते हैं कि हमारी सरकार ने शुरू से ही ...(**व्यवधान**)...

श्री पी.एल. पुनिया : उनकी वर्दी कूड़ेदान में फेंकी गई है ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please listen. The Minister is reacting.

श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, यह गलत है ...(**व्यवधान**)... मैं इसका प्रतिकार ...(**व्यवधान**)... करता हूं ...(**व्यवधान**)... हमारी सरकार शहीदों का पूरा सम्मान करती है ...(**व्यवधान**)... हम आपसे यह कहना चाहते हैं ...(**व्यवधान**)... यह सब रिकॉर्ड में जाएगा । ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रमोद तिवारी : मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि उनके शव पार्सल में भेजे गए और उनकी वर्दी को कूड़ेदान में फैंका गया ...(**व्यवधान**)... शहीदों की वर्दी को कूड़ेदान में डाला गया ...(**व्यवधान**)... शहीदों की वर्दी को कूड़ेदान में डाला गया ...(**व्यवधान**)... उस पर मंत्री जी को माफ़ी मांगनी चाहिए । ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Pramod Tiwari, please sit down. It is not going on record.

SHRI PRAMOD TIWARI: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Dr. Sanjay Sinh ...(*Interruptions*)... No, nothing more; Dr. Sanjay Sinh only. ...(*Interruptions*)...

Irregularities in the payment of wages to the job card holders in MGNREGA

डा. संजय सिंह (असम) : माननीय उपसभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । दुनिया के सबसे बड़े कल्याणकारी कार्यक्रमों में से एक, जिसको हम "महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना" कहते हैं, यह अधिनियम 2005 में बना था और मुझे ...(**व्यवधान**)...

SHRI MOTILAL VORA (Chhattisgarh): Sir, I also raised this issue. I want to say something.

श्री उपसभापति : वोरा जी, आप बैठिए, यह रिकॉर्ड में नहीं आएगा ।

श्री मोती लाल वोरा : *

श्री उपसभापति : यह रिकॉर्ड में नहीं जाएगा, इसलिए बोलने का कोई फायदा नहीं है । मैं क्या करूं? आप बैठिए ।

डा. संजय सिंह : मान्यवर, मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि इस अधिनियम के जो उद्देश्य हैं, उनकी पूर्ति नहीं हो रही है और तमाम सारे, लाखों-लाख मजदूरों के साथ अन्याय हो रहा है । उस अधिनियम के तहत सारे मजदूर, जिनके पास जॉब कार्ड हैं, उन्हें सौ दिन कार्य करने का अवसर मिलता है और पंद्रह दिन के अंदर उनका सारा भुगतान होना चाहिए । यह बात अधिनियम

* Not recorded.

में है । अगर पंद्रह दिन में उनका भुगतान न हो, तो 16 वें दिन से उनको उसका मुआवजा मिलता है, लेकिन मुआवजे की तो कहीं चर्चा भी नहीं है । माननीय महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सरकार से कहना चाहता हूं कि अकेले उत्तर प्रदेश में उनका 2013-14 का 70 करोड़ का भुगतान बाकी है और 2014-15 का मजदूरों का 700 करोड़ का भुगतान बकाया है । क्या यह मजदूरों का शोषण और मजदूरों पर बहुत बड़ा अन्याय नहीं है? महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन से निवेदन करना चाहता हूं कि मजदूरों का भुगतान न होने पर क्या सरकार इसकी जांच कराएगी कि इसके जिम्मेदार कौन हैं ? अगर इसकी जांच कराएगी तो इसमें जितने भी अधिकारी जिम्मेदार हैं, क्या उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होगी ? महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं, अभी हाल ही में जो Uber Taxi कांड हुआ, जिसके बारे में सदन में तमाम चर्चा हुई, उसमें बहुत सारी चीज़ें सामने आई हैं । कहीं टैक्सी वालों की गड़बड़ी है, कहीं पुलिस वालों की कमी है, कहीं अधिकारियों की कमी है, कहीं कानून की कमी है । जब कानून में हर चीज़ निश्चित है, जो कार्ड धारक हैं, उन्हीं को मज़दूरी करने का अवसर मिलता है और उन्हीं को उसका पैसा मिलता है । हर चीज़ सीधी-सादी है, इसके बावजूद भी यह केंद्र सरकार की जवाबदेही बनती है, केंद्र सरकार इसको निश्चित तौर से एनश्योर करे कि इसमें जो गड़बड़ अधिकारी हैं और जो लाखों-करोड़ों मज़दूरों के साथ अन्याय कर रहे हैं, जो दोषी लोग हैं, उनको दंडित किया जाए, साथ ही मज़दूरों को सीधे भुगतान कराने की व्यवस्था हो । महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय सदन से ऐसा आश्वासन चाहता हूं । धन्यवाद ।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं इनके उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं ।

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इनके उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूं ।

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (Gujarat): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. BHALCHANDRA MUNGEKAR (Nominated): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Honouring people of eminence on the eve of Subramanya Bharathi's birth anniversary

SHRI TARUN VIJAY (Uttarakhand): Sir, today is the great day of birth anniversary of Subramanya Bharathi. He was one of the greatest revolutionary poets of Tamil language. He gave a new direction to Tamil language and he lived in Varanasi. I demand that the Government must declare his home in Varanasi a national heritage, and, I would like to request Shri Ram Gopal Yadav ji that the Government of Uttar Pradesh must declare the same as a national heritage. But there is a great unrest in Tamil Nadu and they legitimately feel that Tamil language and great heroes of Tamil language are being ignored in North India and some language is being imposed on them.

I say that even if Tamil is made a national language and introduced in North India, we would welcome this. Let Hindi people... ...(*Interruptions*)...